संस्कृत-2015 (द्वितीय पाली)

Time : 3 Hrs. 15 Minutes] **[Full Marks : 100**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश : प्रथम पाली में देखें।

खण्ड-'क' (अपठित अवबोधनम्)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखें :**

श्रवणकुमार: श्रद्धया पितरौ सेवते स्म। दुर्भाग्यात् पितरौ नेत्राभ्याम् अन्धौ अभवत्। श्रवणकुमार: अन्धौ पितरौ यथाकालम् भोजनादिकं यक्षति स्म। तयो: सुखाय च सततं यतते स्म। एकदा Jo.kdqkjL; ekrk reonr—"पुत्र आवां नेत्राभ्याम् अन्धौ स्व:। आवां तीर्थयात्रायै गन्तुमिच्छाव:। केन प्रकारेण आवयो: इच्छाया: पूर्ति: भविष्यति।" श्रवणोऽवदत्—"मात:! अलं चिन्तया। अधुना अहं युवकोऽस्मि। एकां विहङ्गिकां रचयिष्यामि। एकत: भवतीं द्वितीयत: च पितरमुपवेशयिष्यामि। विहङ्गिकां च स्कन्धाभ्यामुत्थापयिष्यामि। एवं च भवतो: तीर्थयात्रा भविष्यति।

(क) एक पद में उत्तर दें : 4x1=4

(i) क: पितरौ सेवते स्म ?

(ii) पितरौ काभ्याम् अन्धौ अभवत् ?

(iii) अधुना श्रवणकुमार: कीदृश: अस्ति ?

(iv) श्रवणकुमार: पितरौ कथं भोजनादिकं यक्षति स्म ?

(ख) पूर्ण वाक्य में उत्तर दें : 2x2=4

(i) एकदा श्रवणकुमारस्य माता तं किम् अवदत् ?

(ii) 'मात:! अलं चिन्तया!' क: कां कथितवान् ?

(ग) निर्देशानुसार उत्तर दें : 4x1=4

(i) 'निरन्तरम्' इत्यर्थे अत्र किं पदं प्रयुक्तम् अस्ति ?

(ii) **'अस्मि' क्रियापदस्य कर्तृ पदं गद्यांशे किम् ?**

(iii) **'केन प्रकारेण' इत्यत्र विशेषण पदं किम् ?**

(iv) 'वृद्ध:' इति पदस्य विलोम पदं गद्यांशात् चित्वा लिखत।

(घ) अस्य गद्यांशस्य उपयुक्तं शीर्षकं लिखत। 1

खण्ड-'ख' (रचनात्मकं कार्यम्-पत्रलेखनम्)

2. **अपने मित्र को लिखे निमंत्रण पत्र के रिक्त स्थान की पूर्ति मञ्जुषा के उचित पदों से करें :** 8

परीक्षाभवनात्

तिथि:-30.01.2015

प्रिय मित्र विवेक,

(i) ....

शुभ समाचार यत् अस्मिन् वर्षे मम जन्मदिवस: आगामी सोमवासरे (ii) .... ! प्रतिवर्षमिव मम पिता लघुसमारोहस्य (iii) .... कृतम्। पूजाया: कार्यक्रम: (iv) .... भविष्यति। तत्पश्चात् (v) .... भविष्यति। सर्वाणि अपि मम (vi) .... आगमिष्यन्ति। तुभयम् अपि (vii) .... प्रेषयामि। त्वमपि सपरिवारम्

उचितसमये आगत्य समारोहस्य शोभां (viii) ..... ।

तव मित्रम्
आशीषः

मंजूषा

सार्धचतुर्वादने मित्राणि, वर्धस्व, भविष्यति, मधुरस्मृत्यः, आयोजनम्, जलपानम्, निमंत्रणाम्।

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संस्कृत में सात वाक्यों का अनुच्छेद लिखें : 1×7=7

(i) गङ्गा नदी
(ii) संस्कृतम्
(iii) मम ग्रामः
(iv) डॉ. राजेन्द्र प्रसादः।

खण्ड-'ग' (अनुप्रयुक्त व्याकरणम्)

4. (क) तथा + एव (संधि करें)। 1
(ख) संस्कृतम् (संधि विच्छेद करें)। 1
(ग) गुण सन्धि का एक उदाहरण दें। 1
(घ) 'इ + अ' के मेल से कौन-सा नया वर्ण बनेगा ?

5. (क) 'देवैः' पद में कौन विभक्ति है ? 1
(i) द्वितीया (ii) तृतीया
(iii) चतुर्थी (iv) पञ्चमी।
(ख) 'सः' किस शब्द का रूप है ? 1
(i) तत् (ii) एतत्
(iii) अदस् (iv) इदम्
(ग) 'राजन्' शब्द के तृतीया एकवचन का रूप है- 1
(i) राजा (ii) राज्ञः
(iii) राज्ञा (iv) राजभिः

6. (क) 'पश्यति' किस धातु का रूप है ? 1
(ख) 'अकरोत्' किस लकार का रूप है ? 1
(i) लट् (ii) लोट्
(iii) लङ् (iv) लृट्

7. (क) 'परा' उपसर्ग से कौन शब्द बना है ? 1
(i) पराजयः (ii) प्राकृत
(iii) प्रारूप (iv) प्रार्थना
(ख) 'आङ्' उपसर्ग से एक शब्द बनायें। 1

8. (क) 'गन्तुम्' शब्द में कौन प्रत्यय है ? 1
(i) तुमुन् (ii) ल्युट्
(iii) क्त (iv) शतृ
(ख) 'पा + अनीयर्' के मेल से कौन शब्द बनेगा ? 1
(i) पानीयम् (ii) पेयम्
(iii) पातव्यम् (iv) पीतम्

9. (क) 'लघु + तरप्' से कौन शब्द बनेगा ?

(i) लघुता (ii) लघुतरम् 1

(iii) लघुतमम् (iv) लाघवम्

(ख) 'नागरिकः' शब्द में कौन प्रत्यय है ?

(i) ठक् (ii) ठञ् 1

(iii) ढक् (iv) ष्यञ्

10. (क) 'बालक + टाप्' से कौन शब्द बनेगा ?

(i) अण् (ii) बालिका 1

(iii) यत् (iv) ढक्

(ख) 'नारी' शब्द में कौन-सा स्त्री प्रत्यय है ? 1

(i) ङीप् (ii) ङीष्

(iii) ङीन् (iv) ति

11. (क) 'गङ्गाजलम्' का विग्रह करें। 1

(ख) 'लम्बम् उदरम् अस्ति यस्य सः' समस्त पद लिखें। 1

(ग) 'त्रिभुवनम्' में कौन समास है ? 1

(i) द्वन्द्व (ii) द्विगु

(iii) तत्पुरुष (iv) अव्ययीभाव

(घ) अव्ययीभाव समास का एक उदाहरण दें। 1

12. (क) 'सहार्थे तृतीया' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या करें। 2

(ख) 'मोहनः व्याघ्रात् बिभेति।' वाक्य के रेखांकित पद में कौन विभक्ति है तथा वह विभक्ति किस सूत्र से लगी है ? 2

13. निम्नलिखित में से किन्हीं सात का अनुवाद संस्कृत में करें : 7×1=7

(क) नदियों में गङ्गा पवित्र है।

(ख) गङ्गा हिमालय से निकलती है।

(ग) पटना गङ्गा के किनारे है।

(घ) पटना बिहार की राजधानी है।

(ङ) क्या तुम पटना गये हो ?

(च) तू मेरे साथ चलोगे।

(छ) मैं वहीं रहता हूँ।

(ज) वहाँ अनेक दर्शनीय स्थल हैं।

(झ) सदा सत्य बोलो।

खण्ड 'घ' (पठित अवबोधनम्)

14. निम्नलिखित गद्यांशों का अनुवाद हिन्दी में करें : 3×2=3

(क) गङ्गायास्तीरे बुद्धकाले पाटलिग्रामः स्थितः आसीत्। यत्र च भगवान् बुद्धः बहुकृत्वः समागतः।

(ख) पश्चादलसानां सुखं दृष्ट्वा धूर्ता अपि कृत्रिममालस्यं दर्शयित्वा भोज्यं गृह्णन्ति।

(ग) लौकिक संस्कृतसाहित्ये प्रायेण चत्वारिंशत्कवयित्रीणां सार्धशतं पद्यानि स्फुटरूपेण इतस्ततो लभ्यन्ते।

15. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दें : 4×1=4

(क) वीरेश्वरः कः आसीत् ?

(ख) धूर्ताः कथं पलायिताः ?
(ग) मध्यकाले काः भारतीयसमाजम् अदूषयन् ?
(घ) अशान्तेः कारणद्वयम् के स्तः ?

16. स्वामी दयानन्द द्वारा किये गये समाज सुधार के प्रमुख कार्यों का वर्णन करें। 3
17. 'व्याघ्रपथिक कथा' पाठ से क्या शिक्षा मिलती है ? 3
18. निम्नलिखित श्लोकों का अनुवाद हिन्दी में करें : 2×2=4
(क) तत्वज्ञः सर्वभूतानां योगज्ञः सर्वकर्मणाम्।
उपायज्ञो मनुष्याणां नरः पण्डित उच्यते।।
(ख) दरिद्रान्भर कौन्तेय ! मा प्रयच्छेश्वरे धनम्।
व्याधितस्यौषधं पथ्यं, नीरुजस्य किमौषधैः।।
19. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखें : 4×1=4
(क) किं जयते ?
(ख) अनाहूतः कः प्रविशति ?
(ग) देवाः कानि गायन्ति ?
(घ) रामः कां मन्दाकिनीं नदीं दर्शयति ?
20. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या करें : 3
स्थितिः सौकर्यमूला हि सर्वेषामपि संहते।
सजातीनां सुखं दृष्ट्वा के न धावन्ति जन्तवः।।
21. 'कर्णस्य दानवीरता' पाठ के आधार पर इन्द्र के चरित्र की विशेषताओं को लिखें। 3
22. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखें : 4×1=4
(क) कक्षायां कः प्रविशति ?
(ख) शिक्षा कां बोधयति ?
(ग) कर्णः कस्य देशस्य राजा आसीत् ?
(घ) शास्त्रं किम् अस्ति ?
23. (क) पंचवटी के धार्मिक महत्व का उल्लेख करें। 3
(ख) कुमार! भवतः परिचयम् आगमनकारणं च ज्ञातुमिच्छामि। 3×1=3
(i) यह कथन किस पाठ से उद्धृत है ?
(ii) यह कथन किसका है ?
(iii) यह किसके लिए कहा गया है ?

उत्तरमाला

1. (क) (i) श्रवण कुमारः।
(ii) दुर्भाग्यात।
(iii) युवकः।
(iv) सततम्।
(ख) (i) पुत्र आवां नेत्राभ्याम् अन्धौ स्वः।
(ii) श्रवण कुमारः मातया अवदत्।
(ग) (i) सततम्।
(ii) अहम्।
(iii) केन।

(iv) युवकः।

(घ) श्रवण कुमार।

2. (i) मधुरस्मृत्यः (ii) भविष्यति
(iii) आयोजनम् (iv) सार्ध चतुर्वादने
(v) जलपानम् (vi) निमंत्रणम्
(vii) मित्राणी (viii) वर्धस्व

3. (i) 'गंगा नदी'

गंगा अस्माकं देशस्य पवित्रतमा नदी वर्तते। इयं हिमालयात् निःसरति। नदीषु इयं पवित्रतमा अस्ति। पाटलिपुत्रं नाम नगरं गंगायाः तटे स्थितम्। अस्याः तटयोः अनेकानि नगराणि सन्ति। गंगा अस्माकं जननी अस्ति। इयं प्रातः वन्दनीया स्नानीया च अस्ति। एषा कृषि क्षेत्राणां सेचन कार्यं सम्पादयति। गंगानदी भारतस्य भूमिम् उर्वरा करोति। अस्याः नद्याः जलस्य महती विशेषता वर्त्तते। जलेषु गंगाजलं शुचितमम् वर्त्तते।

(ii) 'संस्कृत भाषायाः महत्वम्'

संस्कृत भाषा देवभाषा इति कथ्यते। एषा हि सुरभारती कथ्यते। अस्या साहित्यं प्राचीनं च समृद्धं अस्ति। सम्प्रति अस्याः भाषायाः प्रयोगः प्रतिदिनं विविध संस्कारकार्येषु भवति। अस्याः व्याकरणम् पाणिनिमिर्मितानि सुत्राणि च जगतः सर्वातिशयम् आश्चर्यम्। बाण, कालीदास, इत्यादि महान कवि संस्कृत भाषाय आधार स्तम्भः। अस्याम् एव चत्वारो वेदाः षट् वेदान्ताः 108 उपनिषदाः सन्ति। अस्या शब्द भण्डारः अक्षयः अक्षुण्णाश्च सदा वर्त्तते। अधुनापि संस्कृतस्य महति गरिमा अस्ति।

(iii) 'मम ग्रामः'

अयम् आदर्शः ग्रामः अस्ति। अस्मिन् कृषका निवसन्ति। ते कृषिकार्यं कृत्वा जीवनं यापयन्ति। अत्र एकः मध्य विद्यालयः अपि अस्ति। ग्रामस्य बालकाः बालिका च तत्र मनोयोगेन अध्ययनं कुर्वन्ति। तत्र एकः पुस्तकालयः अपि अस्ति। एका रात्रिपाठशाला अपि अस्ति। तत्र ग्रामस्य स्त्रीपुरुषाः च अध्ययनं कुर्वन्ति। अयं ग्रामः महयम् अति रोचते।

(iv) 'डॉ. राजेन्द्र प्रसादः (भारत वर्षस्य प्रथमः राष्ट्रपतिः)'

डॉ. राजेन्द्र प्रसादः स्वतन्त्रभारतस्य प्रथमः राष्ट्रपतिः आसीत्। अस्य जन्म बिहार राज्ये सीवानमण्डलस्य जीरादेई ग्रामे 1884 तमे खीष्टाब्दे लभवत्। तस्य पितुः नाम महादेव सहायः आसीत्। सः प्राथमिकी शिक्षां ग्रामे स लब्धवान्। कुशाग्रबुद्धिः सः सर्वासु परीक्षासु प्रथमश्रेण्यों प्रथममेव स्थानं सप्तवान्। सः महान् देशभक्तः आसीत्। अयं वैरिष्टरोपाधिं प्राप्य पटना उच्च न्यायालये अपि बैरिस्टर कर्म आरब्धवान्। तस्य विनम्रता सर्वैः प्रशंसनीया आसीत्।

4. (क) तथैव।
(ख) सम् + कृतम्
(ग) रमेश।
(घ) य।
5. (क) (ii), (ख) (i), (ग) (iii)
6. (क) पश्य, (ख) (iii)
7. (क) (i)
(ख) आंगना/आकार।
8. (क) (i), (ख) (i)

9. (क) (i), (ख) (iii)

10. (क) (ii) बालिका।

(ख) (ii)

11. (क) गंगाया: जलम्।

(ख) लम्बोदरम्

(ग) (ii)

(घ) यथाशक्ति।

12. (क) सह साके सार्धं समम् के योग में तृतीया विभक्ति होती है।

यथा— रामणे सत सीता गच्दति।

(ख) पंचमी, भीत्रार्थानां भय: हेतु पंचमी।

13. (क) नदीषु गंगा पवित्रा अस्ति।

(ख) गंगा हिमालयात् नि:सरति।

(ग) पाटलिपुत्र: गंगाया: तटे अस्ति।

(घ) पाटलिपुत्र: बिहारस्य राजधानी अस्ति।

(ङ) किं त्वं पाटलिपुत्रं आगच्छत:।

(च) त्वं मया सह चलिष्यसि।

(छ) अहं अत्रैव वसामि।

(ज) तत्र अनेकानि दर्शनीय स्थानीनि सन्ति।

(झ) सदा सत्यं वद।

14. (क) बुद्ध के समय में गंगा के तट पर पाटलिपुत्र ग्राम स्थित था। और जहाँ भगवान बुद्ध अनेक बार आए थे।

(ख) बाद में आलसियों को देखकर धूर्त लोग भी कृत्रिम आलस दिखाकर भोजन ग्रहण करने लगे।

15. (क) वीरेश्वर: महामंत्री आसीत्।

(ख) अग्नि दृष्ट्वा सर्वे धूर्ता: पलायिता:।

(ग) मध्यकाले नाना कुत्सितरीतय: भारतीयं समाणम् अदूषयन्।

(घ) द्वेष्य और असिष्णुता।

16. स्वामी दयानन्द एक महान समाज सुधारक संत थे। मध्यकाल में भारत में छुआछूत, अशिक्षा जाति भेद, धर्म में आडम्बर आदि अनेक कुप्रथाएँ फैली हुई थीं। विधवाओं को काफी कष्ट दिया जाता था। स्वामी दयानन्द ने इन सभी रीतियों को दूर करने के लिए आम लोगों के बीच जाकर इन कुरीतियों के खिलाफ जागरण पैदा किया। उन्होंने अपने सिद्धांतों का संकल्प लिया। अत: हम कह सकते हैं कि स्वामी दयानंद सरस्वती समाज में फैले हुए अनेक प्रकार की बुराईयों का सफाया कर दिया।

17. कर्मकाण्ड के प्रति आस्था थी। एक दिन शिवरात्रि के शुभ अवसर पर रात्रि जागरण का महोत्सव हुआ। शिव की मूर्त्ति पर इन्होंने एक चूहे को चहलकदमी करते हुए देखा। इनके मन में तरह-तरह के प्रश्न उठने लगे। उसी समय इनके मन में मूर्त्ति पूजा के प्रति अनास्था उत्पन्न हो गई। कुछ दिनों के बाद उनकी प्रिय बहन का निधन हो गया। इन घटनाओं ने ही उनकी जीवन दशा को बदल दिया। उनमें वैराग्य भाव उत्पन्न हो गया।

18.(क) सभी जीवों के तत्व को जानने वाले सभी कर्म के योग को जानने वाले और मनुष्य में उपस्थित दुर्गुणों से उपर रहने वाले पण्डित कहलाते हैं।

(ख) प्रस्तुत श्लोक 'व्याघ्रपथिक कथा' से लिया गया है। जिसके रचयिता नारायण पंडित है।

व्याख्या—हे कुंती पुत्र! दरिद्रों का पालन करो। जो सम्पन्न है उसे धन मत दो रोगी के लिए कोई दवा लाभदायक है, जो निरोगी है उसे दवा देने से क्या लाभ है।

19.(क) सत्यमेव जयते।

(ख) मूढचेता।

(ग) देवा गीतं गायन्ति।

(घ) राम: सीतां मन्दाकिनीं नदीं दर्शयति।

20.तब आलसी लोगों के लाभ को सुनकर वहाँ तोंद बढाने वाले अनेक लोग जमा हो गए। कहा गया है—

सुविधाजनक स्थित को सभी पसन्द करते हैं। अपनी जातियों का सुख देखकर कौन जन्तु नहीं दौड़ता है।

21.महाभारत युद्ध में कुन्ती पुत्र कर्ण कौरव के पक्ष से युद्ध लड़ रहे हैं जिसके शरीर में कवच कुंडल है। जबतक कर्ण के शरीर में कवच-कुंडल रहेगा तब तक उसे कोई मार नही सकता था। लेकिन इन्द्र कृष्ण की सहायता के लिए कर्ण से ब्राह्मण के रूप जाकर भीक्षा में उसका कवच-कुंडल मांग लेता है। कर्ण खुशी पूर्वक अपने शरीर से कवच कुंडल इन्द्र को दे देता है। इन्द्र यहाँ कर्ण के साथ बहुत बड़ा गद्दारी, धोखाधरी या छल करता है। इस प्रकार कर्ण अर्जुन के द्वारा मारा जाता है। अत: 'कर्णस्य दानवीरता' पाठ के आधार पर हम यह कह सकते हैं कि यहाँ इन्द्र छल पूर्वक कर्ण की जान खतरे में डाला है। ऐसा मनुष्य को कभी भी नहीं करना चाहिए।

22.(क) शिक्षक:।

(ख) उच्चारण पक्रियाम्।

(ग) कर्ण: अंङ्ग देशस्य राजा आसीत्।

(घ) कर्तव्य, 'अकर्तव्यं' शास्त्रंबोधयति।

23.(क) पंचवटी महाराष्ट्र देश में पवित्र गोदावरी नदी के किनारे नासिक क्षेत्र है जहाँ पर लक्ष्मण ने शूपर्णखा का नाक काट लिया था। यही गोदावरी नदी के एक ओर नासिक नगर तथा दूसरी ओर पंचवटी क्षेत्र है। यहाँ का कुम्भमेला बहुत ही प्रचलित है। इसलिए श्रद्धालू लोग इसे हरिद्वार, काशी और प्रयाग की तरह धार्मिक जगह मानते हैं। यह कुंभ मेला प्रत्येक 12 वर्षों पर लगता है। यही पर श्रीराम नामक एक कुण्ड भी है। इसी स्थान पर महात्मा गांधी के चिता भस्म सुरक्षित है। यहाँ पर देश भर के लोग अस्थि विसर्जन के लिए आते हैं। यहाँ पर त्रयम्बकेश्वर मंदिर नारी शंकर मंदिर स्थित है।

(ख) (i) यह कथन भिस्म प्रतिज्ञा पाठ से उद्धृत है।

(ii) यह कथन दाशराज/धीवरु का है।

(iii) यह देवव्रत के लिए कहा गया है।

●●●